



**DMM-0515**

**M. A. (Sem. IV) Examination**

**March/April – 2016**

**Sanskrit : Paper - XVII**

*(Vedic Literature & Letter-Writing)*

(वैदिक साहित्य – पत्रलेखन)

Time : 2 Hours]

[Total Marks : 50

**सूचना / Instruction :**

नीचे दशांशों के निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लपवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="M. A. (Sem. IV)"/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="Sanskrit : Paper - XVII"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="5"/> <input type="text" value="1"/> <input type="text" value="5"/>	Section No. (1, 2,.....): <input type="text" value="Nil"/>
Student's Signature	

१. पिता पासे, प्रवासे जवानी अनुमति मांगतो पत्र संस्कृतमां लपो : (१०)  
1. Write a letter in Sanskrit to get permission from your father for attending the Tour. (10)

**अथवा / OR**

१. प्रकाशक ने पुस्तको भोकलवा अंगेनो पत्र संस्कृतमां लपो : (१०)  
1. Write a letter to the publisher in Sanskrit to send the books. (10)  
२. (अ) कोर्पण भे नो अर्थदर्शक नोध सखित अनुवाद करो : (८)  
2. (a) Translate any **two** with explanatory notes : (8)  
(१) यौ ते श्वानौ यम रक्षितारौ

चतुरक्षौ पंथिरक्षीं नृचक्षंसौ ।

ताभ्यामेनं परि देहि राजन्स्वस्ति

चास्मा अनमीवं च धेहि ॥ १०-१४-११ ॥

- (२) ये अग्निद्ग्धा ये अनग्निद्ग्धा

मध्ये दिवः स्वध्यां म्दयन्ते ।

तेभिः स्वराळसुनीतिमेतां

यथाक्शं तन्वैकल्पयस्व ॥ १०-१५-१४ ॥

- (३) यत्ते पर्वतान्बृहतो मनो जगाम दूरकम् ।  
तत् आ वर्तयामसीह क्षयाय जीवसे ॥ १०-५८-९ ॥
- (४) उत त्वः पश्यन्न ददर्श वाचमुत  
त्वं शृण्वन्न शृणोत्येनाम् ।  
उतो त्वस्मै त्वं शू वि संसे  
जायेव पत्य उशती सुवासाः ॥ १०-७१-४ ॥

२. (अ) कोष्ठपत्र अेक नो अर्थदर्शक नोध सखित अनुवाद करो : (५)
2. (b) Translate any one with explanatory notes : (5)
- (१) नहि मे रोदसी उभे अन्यं पक्षं चन प्रति ।  
कुवित्सोमस्यापामिति ॥ १०-११९-७ ॥
- (२) अहं रुद्रेभिर्वसुभिश्चराम्यहमादित्यैरुत विश्वदेवैः ।  
अहं मित्रावरुणोभा बिभर्म्यहमिन्द्राग्नी अहमश्विनोभा ॥ (१०-१२५-१)
३. अध्येय पाठ्यक्रमभां आवता अेकोक्ति प्रकारना सूक्तोनी विगते यर्या करो. (१३)
3. On the basis of syllabus, discuss in detail about the Monologue type of Suktas. (13)

अथवा / OR

३. ऋग्वेद-मं०७-१० ना विषय वैविध्यनी सविस्तर यर्या करो. (१३)
3. Discuss in detail variety of theme in ऋग्वेद - मण्डल - १०. (13)
४. टूकनोध लपो. (गभे ते षे) (१४)
4. Write short note : (Any two) (14)
- (१) पितरः ।  
(२) हिरण्यगर्भः ।  
(३) ज्ञान सूक्तम् ।  
(४) पाठ्यक्रमनुं संवादसूक्त
- (4) संवाद-सूक्त of syllabus